"शिक्षा के संग
आजादी के रंग "

राहुल और सुहानी के स्कूल में आज 15 August का celebration हो रहा है।
सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है ज़ोर कितना बाजुए कातिल में है सरफ़रोशी सरफरोशी....
देशभक्तों की बातें सुनकर दादी में जोश आ जाता है और वह कहती हैं ....
वंदे मातरम ... वंदे मातरम ...
वाह.. बच्चों आप सब की performance लाजवाब थी। आप सब बहुत lucky हैं जो आजाद भारत में रह रहे हैं और आपको पढ़ने लिखने का मौका मिल रहा है।

घर आने के बाद सब drawing room में बैठ जाते हैं। Rahul के mummy, papa, और Suhani दीदी भी वहां आते हैं।
Rahul तुम्हारा function कैसा था?

बहुत अच्छा। दादी ने तो वहां कमाल कर दिया।

Rahul तुम्हारी क्लास में वह बड़ा सा white tv क्या था?
दादी उसे smart board कहते हैं। हमारी ma'am इसमें हमें stories, rhymes, ppts सब दिखाती है।

"We enjoy our classes.. u know."

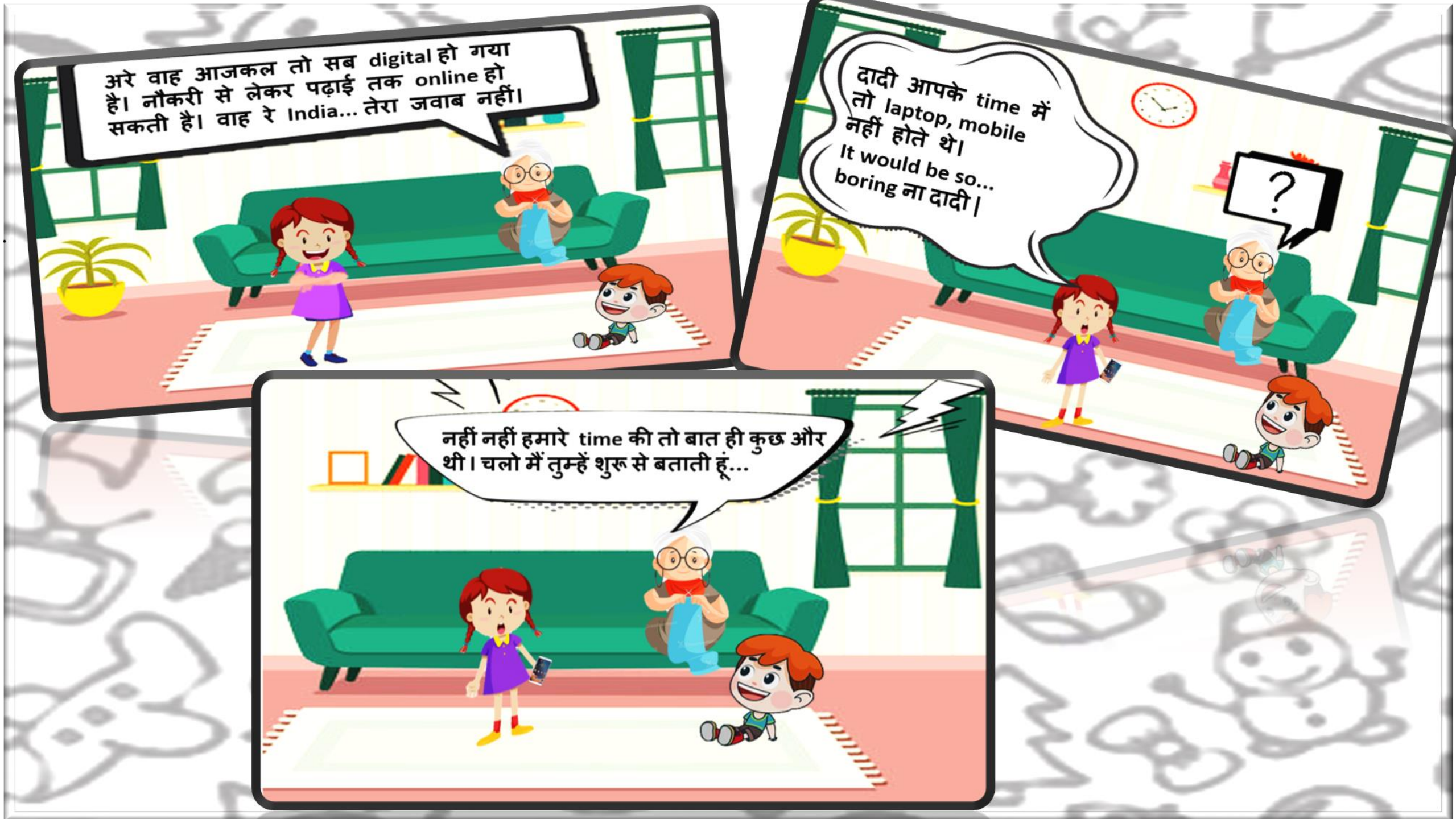
अरे वाह आजकल तो सब digital हो गया है। नौकरी से लेकर पढ़ाई तक online हो सकती है। वाह रे India... तेरा जवाब नहीं।
दादी आपके time में तो laptop, mobile नहीं होते थे। It would be so... boring ना दादी।
?
नहीं नहीं हमारे time की तो बात ही कुछ और थी। चलो मैं तुम्हें शुरू से बताती हूं...

पहले जमाने में बच्चे अपनी family से दूर गुरुकुल में अपने गुरु के साथ रहते थे।
गुरुकुल में बच्चों को योग, घुड़सवारी ,तीरंदाजी जैसे खेल सिखाए जाते थे।
हमें यह भी सिखाया जाता था कि कैसे अपने environment का ख्याल रखना है।

अंग्रेजों ने भारत पर आकर किया जब शासन
बदल कर रख दिया education system.

school में English में पढ़ाई होने लगी। लेकिन कुछ लोग लड़कियों को school नहीं भेजते थे।

तो क्या दादी आप भी स्कूल जाती थीं ?

हाँ हाँ बिलकुल...

आओ तुम्हे उस ज़माने के एक स्कूल में ले चलूँ।
WOW!

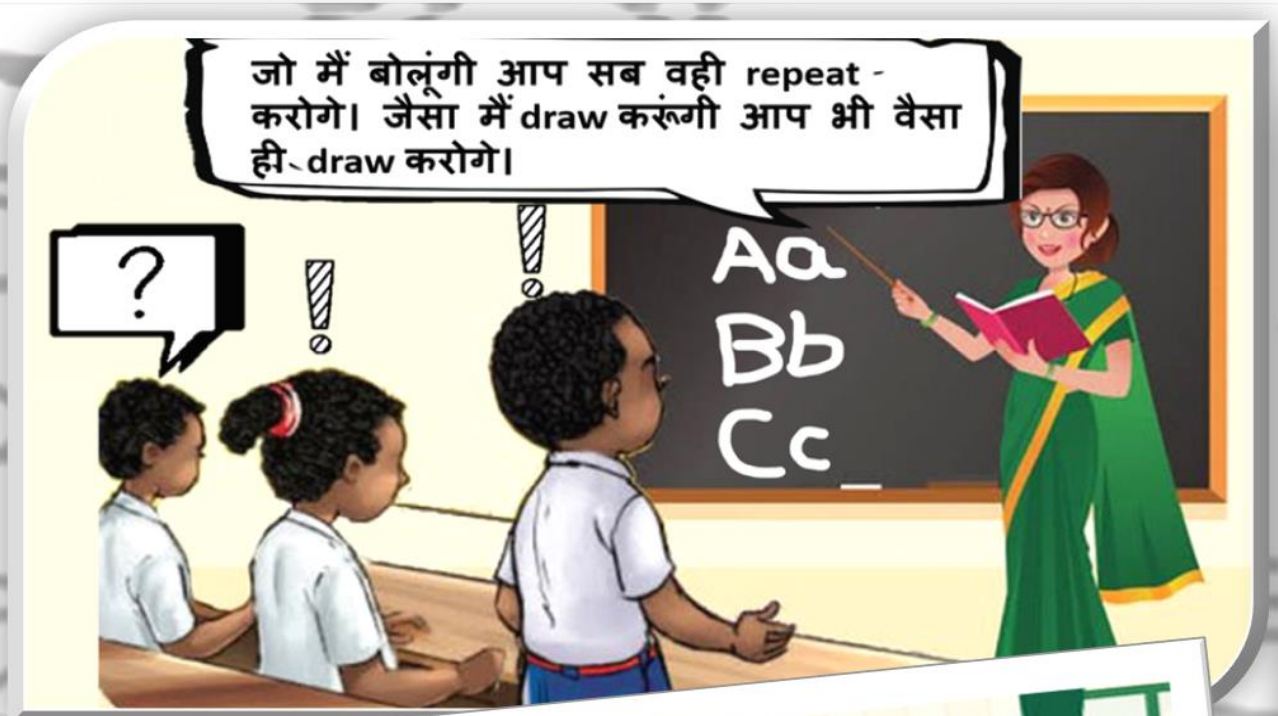
जो मैं बोलूंगी आप सब वही repeat करोगे। जैसा मैं draw करूंगी आप भी वैसा ही draw करोगे।
?
Aa
Bb
Cc_

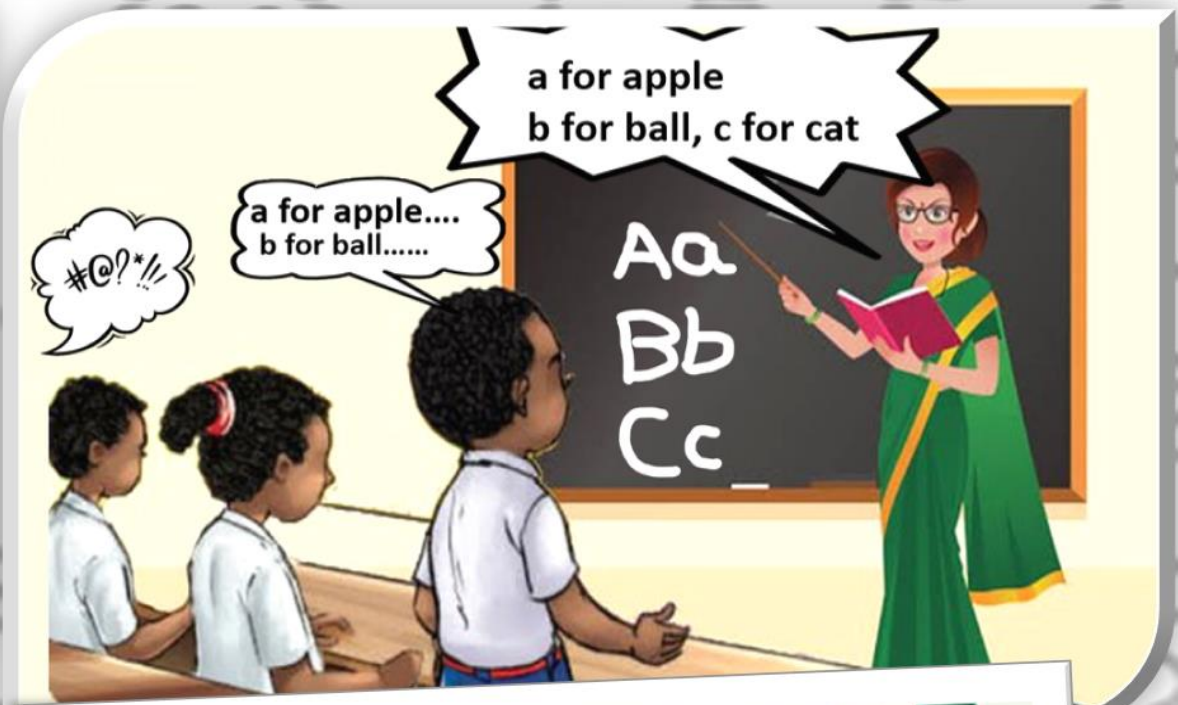
a for apple
b for ball, c for cat
a for apple....
b for ball.....
#@?*!!
Aa
Bb
Cc_

HA HA HA HA HA HA!
oh ..this is rote learning

so boring na Suhani Di...

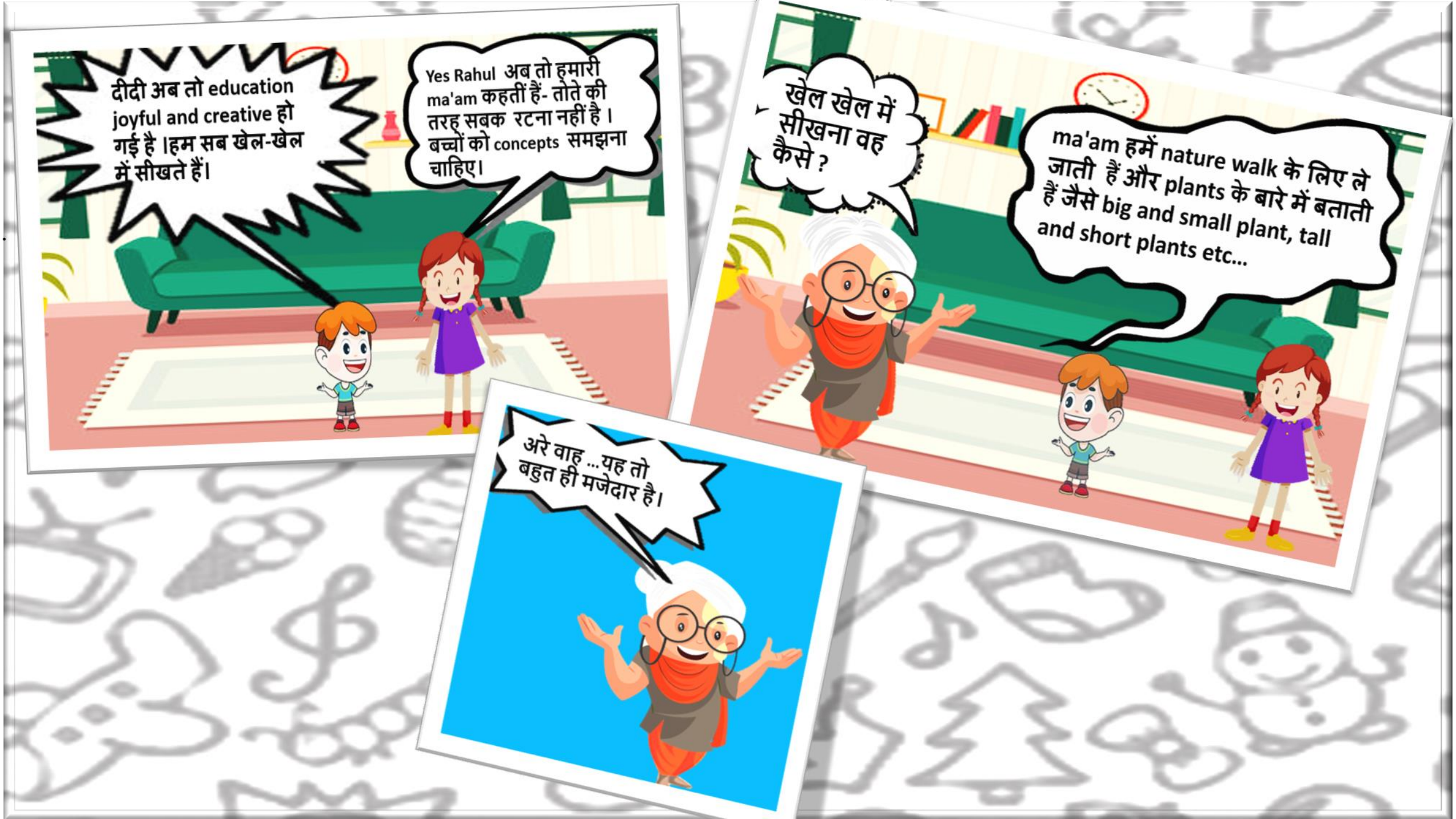
दीदी अब तो education joyful and creative हो गई है ।हम सब खेल-खेल में सीखते हैं।
Yes Rahul अब तो हमारी ma'am कहतीं हैं- तोते की तरह सबक रटना नहीं है । बच्चों को concepts समझना चाहिए।
खेल खेल में सीखना वह कैसे ?
ma'am हमें nature walk के लिए ले जाती हैं और plants के बारे में बताती हैं जैसे big and small plant, tall and short plants etc...
अरे वाह ... यह तो बहुत ही मजेदार है।

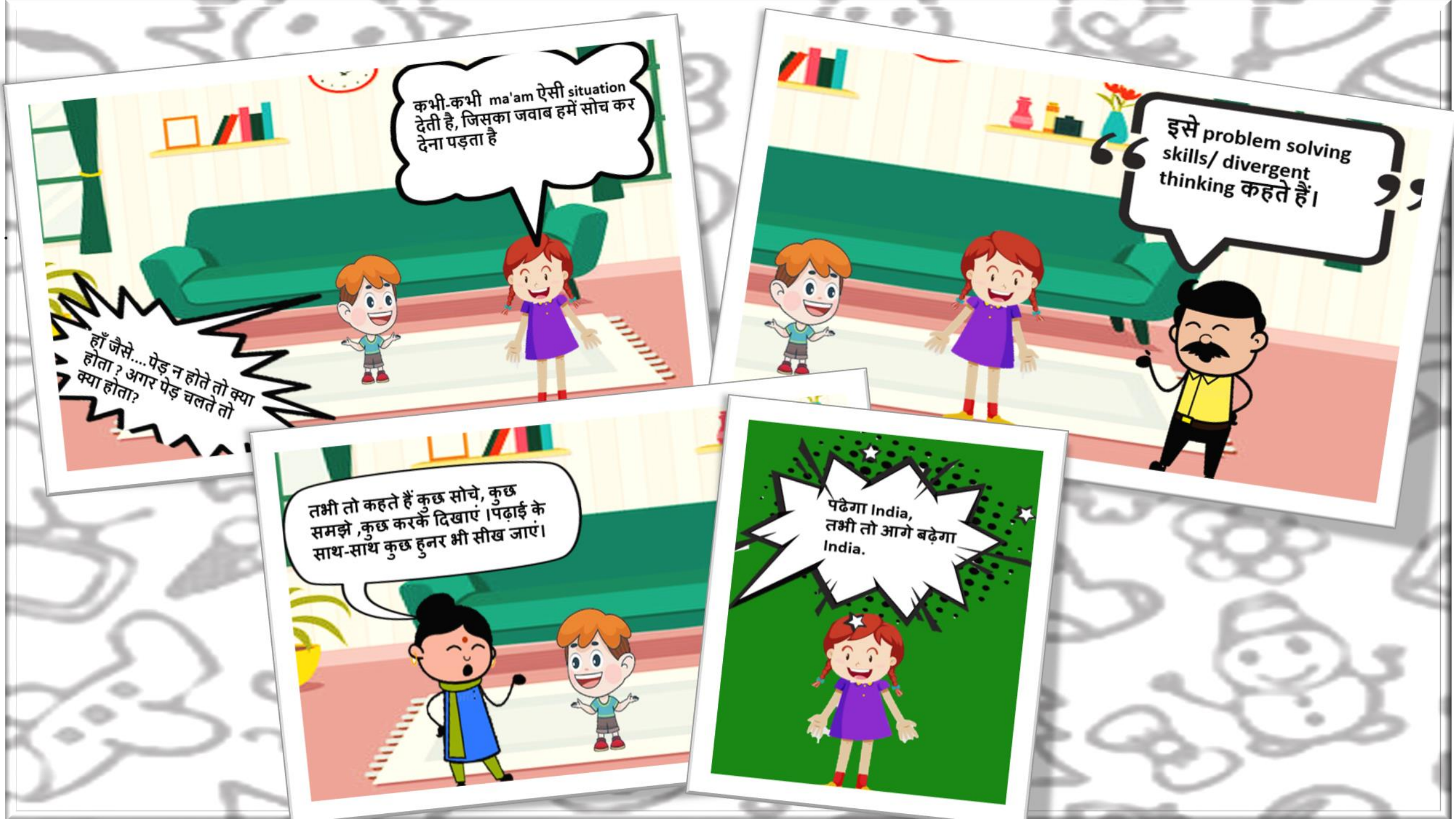
कभी-कभी ma'am ऐसी situation देती है, जिसका जवाब हमें सोच कर देना पड़ता है
हाँ जैसे.... पेड़ न होते तो क्या होता ? अगर पेड़ चलते तो क्या होता?
इसे problem solving skills/ divergent thinking कहते हैं।
तभी तो कहते हैं कुछ सोचे, कुछ समझे ,कुछ करके दिखाएं ।पढ़ाई के साथ-साथ कुछ हुनर भी सीख जाएं।
पढेगा India, तभी तो आगे बढ़ेगा India.

लेकिन पढ़ाई के साथ साथ जीवन में हमें कुछ और problems का solution भी निकालना है ।जैसे पेड़,बिजली, और पानी कैसे बचाना है ? अपने environment को pollution free कैसे बनाना है?

Don't worry papa जब हमने मिलकर अंग्रेजों को भारत से निकाल दिया तो क्या हम अपने भारत को इन सब problems से नहीं बचा सकते ?

बस हम सब को एक साथ मिलकर कदम से कदम मिलाकर अपने भारत देश को इन सब problems से आजाद कराना है।

दीदी मैं अपने भारत को इन सब problems से आज़ाद कराऊंगा। क्या आप मेरे साथ हैं ?

हम सब तुम्हारे साथ हैं।

और आप सब...??

हमने कर लिया एक इरादा,जिसको हम निभाएंगे।
बिजली ,पानी , petrol, पेड़ बचाकर
धरती को स्वर्ग बनाएंगे।
पेड़ लगाकर ,प्लास्टिक हटाकर ,
धरती प्रदूषण मुक्त बनाएंगे।
हमने कर लिया एक इरादा, जिसको हम निभाएंगे।

धन्यवाद